मेरा मानना है:–

- विद्या से ज्यादा ज्ञान
- शक्ति से ज्यादा साहस
- धन (Money) से ज्यादा सम्पति

  और
- Spirituality (अध्यातमिकता) से Enlightenment (ज्ञानोदय)

यह चार चीजें बहुत जरूरी हैं अगर यह गुण आप में हैं, जिनको मैंने अपने पिता जी के व्यक्तित्व में रोज देखता हूँ , उन की working के हर पहलू में देखता हूँ। मैं इस को इसलिए कहना चाहता हूँ कि जब आप इनको अपनायेंगे, आपका व्यक्तित्व बढ़ता जायेगा।

अन्त में, कही पढ़ा था जो अब बोलने जा रहा हूँ, कहीं से पढ़ा था वह कहने जा रहा हूँ। क्योंकि मेरे लिये आसान था अपने पिता की personality को नजदीक से देखने व सीखने का। लेकिन यह मैंने कहीं पढ़ा था और इस को आज मैं बहुत relevant मानता हूँ:

Watch your thoughts they become your words

जो विचार हैं वो शब्दों में आयेंगे।

Watch your words they become your action

जो आपके शब्द हैं वो आपके किसी न किसी action में अवश्य आयेंगे।

Watch your actions they become your habit

जो आप के actions हैं वो आपकी आदत बन जायेंगे।

Watch your habit it becomes your character

वो आप का चरित्र बन जायेगा।

Watch your character it becomes your destiny.

अपने चरित्र को देखिये, वो आपका भाग्य बन जाता है।